

चेतनता स्त्री. (तत्.) चेतन का धर्म, चैतन्य, सजानता।

चेतना स्त्री. (तत्.) 1. बुद्धि 2. मनोवृत्ति 3. ज्ञानात्मक मनोवृत्ति 4. स्मृति, सुधि, याद 5. चेतनता, चैतन्य, होश, संज्ञा अ.क्रि. 1. संज्ञा में होना, होश में आना 2. सावधान होना 3. चौकस होना स.क्रि. विचारना, समझना, ध्यान देना, सोचना।

चेतनीय वि. (तत्.) 1. जो चेतन करने योग्य हो 2. जानने योग्य, ज्ञेय।

चेतनीया स्त्री. (तत्.) ऋद्धि नामक लता।

चेतव्य वि. (तत्.) जो चयन करने योग्य हो, संग्रह योग्य।

चेता पुं. (तत्.) 1. संज्ञा होना, बुद्धि 2. स्मृति, याद।

चेताना स.क्रि. (तद्.) 1. भूली बात याद दिलाना 2. ज्ञानोपदेश करना 3. चेतावनी देना 4. जलाना या सुलगाना 5. धमकी देना।

चेतावनी स्त्री. (तद्.) सावधान करने, किसी हानिकारक कार्य से रोकने के लिए कही गई बात, खतरे की पूर्व सूचना देना।

चेत् अव्य. (तत्.) 1. यदि, अगर 2. शायद, कदाचित।

चेत्य वि. (तत्.) 1. जो जानने योग्य हो, ज्ञातव्य 2. जो स्तुति करने योग्य हो।

चेदि पुं. (तत्.) 1. एक प्राचीन देश का नाम टि. वर्तमान बुंदेलखंड का चंदेरी नगर इसी प्राचीन देश की सीमा के अंतर्गत है, इस देश का नाम त्रैपुर और चैद्व भी है 2. इस प्राचीन देश का राजा 3. इस देश का निवासी 4. कौशिक मुनि के पुत्र का नाम।

चेदिराज पुं. (तत्.) 1. शिशुपाल नामक राजा, जिसका वध श्री कृष्ण ने किया था 2. एक वसु का नाम जिन्हें इंद्र से एक विमान मिला था।

चेन स्त्री. (अं.) बहुत-सी छोटी-छोटी कड़ियों को एक में गूँथ कर बनाई हुई शृंखला, जंजीर प्रयो. उसने गले में सोने की चेन पहन रखी थी।

चेना पुं. (देश.) 1. कंगनी या साँवाँ की जाति का एक अन्न जो चैत, बैसाख में बोया या आसाढ़ में काटा जाता है 2. चेंच नाम का साग।

चेप पुं. (देश.) 1. गाढ़ा, चिपचिपा या लसदार रस 2. लासा जो चिड़ियों को फँसाने के लिए बाँस की लघियों में लगाया जाता है।

चेपना स.क्रि. (देश.) चिपकाना, सटाना।

चेपांग पुं. (देश.) नेपाल में रहने वाली एक पहाड़ी जाति।

चेबुला पुं. (देश.) एक पेड़ जिसकी छाल चमड़ा सिझाने और रंग बनाने के काम आती है।

चेय वि. (तत्.) जो चयन करने योग्य हो, चयनीय **स्त्री.** (तत्.) वह अग्नि जिसका विधान पूर्वक संस्कार हुआ हो।

चेयर स्त्री. (अं.) दे. चेअर।

चेयरमैन पुं. (अं.) दे. चेअरमैन।

चेरा पुं. (देश.) 1. नौकर, दास, सेवक, गुलाम 2. चेला, शिष्य, शागिर्द, विद्यार्थी पुं. (देश.) मोटे ऊन का बना हुआ गलीचा।

चेराई स्त्री. (देश.) दासत्व, सेवा, नौकरी, गुलामी, शागिर्दी, चाकरी।

चेरी स्त्री. (देश.) सेविका, दासी।

चेरु स्त्री. (देश.) एक पुरानी जाति।

चेल पुं. (तद्.) वस्त्र, कपड़ा वि. अधम, निकृष्ट।

चेलक पुं. (तत्.) 1. वैदिक काल के एक मुनि का नाम 2. बालक, कुमार, शिशु।

चेलगंगा पुं. (तत्.) महाभारत में वर्णित दक्षिण भारत की एक नदी।

चेलहाई स्त्री. (देश.) चेलों का समूह, शिष्य वर्ग।

चेला पुं. (देश.) शिष्य, शागिर्द, दीक्षा, गुरुमंत्र लेने वाला, विद्यार्थी पुं. (देश.) 1. एक प्रकार का साँप जो बंगाल में पाया जाता है 2. एक प्रकार की छोटी मछली।

चेलान पुं. (तत्.) तरबूज की लता।